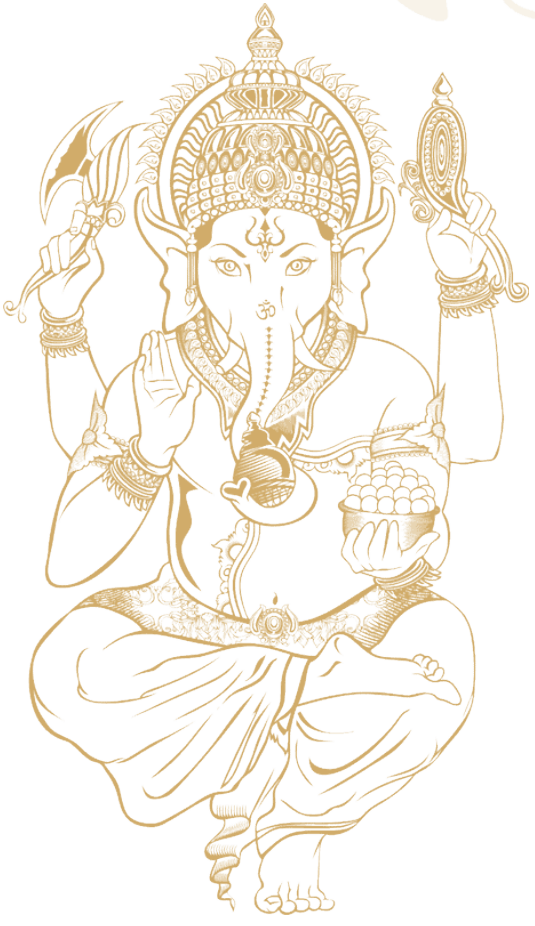

Damandeep

Deepali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120819602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/06/1996	जन्म तिथि	23/03/1994
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 14:30:00	जन्म समय	10:12:00 घंटे
घटी 22:54:52	जन्म समय(घटी)	09:38:55 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Meerut
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:20:03	सूर्योदय	06:20:26
19:17:47	सूर्यास्त	18:31:50
23:48:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:50

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 5मा 26दि	26:03:42	कन्या	लग्न	वृष	19:28:45	शनि 8वर्ष 5मा 4दि
सूर्य	26:54:09	वृष	सूर्य	मीन	08:32:43	केतु
07/12/2021	02:52:37	मेष	चंद्र	कर्क	10:45:09	26/08/2019
08/12/2027	05:18:18	वृष	मंगल	कुंभ	18:35:20	26/08/2026
सूर्य 27/03/2022	03:27:59	वृष	बुध	कुंभ	11:15:35	केतु 23/01/2020
चन्द्र 25/09/2022	21:44:00	धनु व	गुरु व	तुला	20:05:04	शुक्र 24/03/2021
मंगल 31/01/2023	25:48:07	वृष व	शुक्र	मीन	24:20:37	सूर्य 30/07/2021
राहु 26/12/2023	12:25:51	मीन	शनि	कुंभ	12:34:08	चन्द्र 28/02/2022
गुरु 13/10/2024	21:16:20	कन्या व	राहु व	वृश्चि	01:30:33	मंगल 27/07/2022
शनि 25/09/2025	21:16:20	मीन व	केतु व	वृष	01:30:33	राहु 14/08/2023
बुध 02/08/2026	10:19:57	मक व	हर्ष	मक	01:56:34	गुरु 20/07/2024
केतु 07/12/2026	03:28:50	मक व	नेप	धनु	29:16:02	शनि 29/08/2025
शुक्र 08/12/2027	07:24:03	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	04:09:27	बुध 26/08/2026

लग्न-चलित

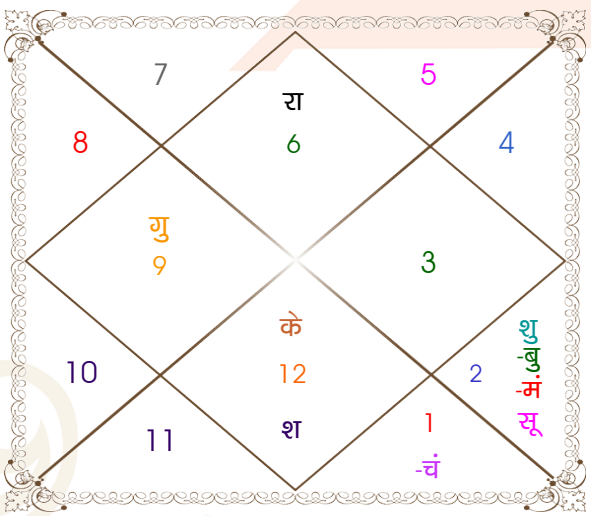

लग्न-चलित

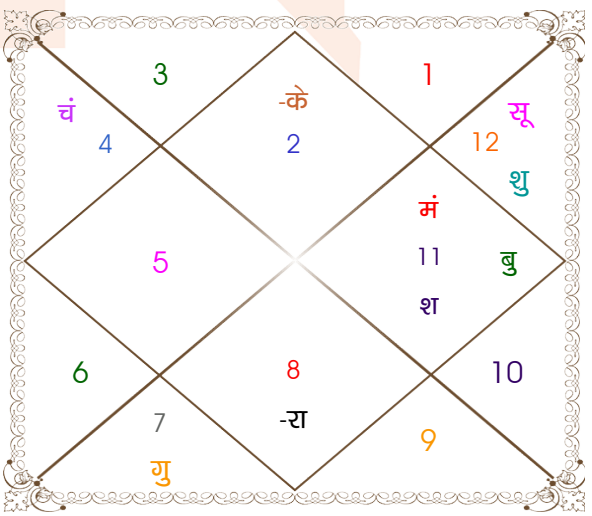

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

कंउंदकममच का वर्ग सिंह है तथा क्ममचंसप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार कंउंदकममच और क्ममचंसप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

कंउंदकममच मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

क्ममचंसप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

कंउंदकममच तथा क्ममचंसप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।